

सं०- / उत्तीस/०४-२(२०५०)/२००४

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, चम्पावत ।

पंचजल अनुभाग-

देहरादून दिनांक ०६ अक्टूबर, २००४

विषय- वित्तीय वर्ष २००४-०५ में जिला योजना के अन्तर्गत हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

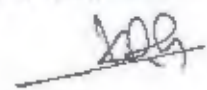
उपर्युक्त विषयक मुख्य महाप्रबन्धक, कार्यालय उत्तरांचल जल संस्थान देहरादून के पत्रांक १८७३/धनावंटन/२००-०५, दिनांक २६ अगस्त, २००४ के सन्दर्भ में शासनादेश संख्या ११४८/उत्तीस/०४-२(२०५०)/२००४, दिनांक ११ मई, २००४ के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष २००४-०५ में निम्नवत जनपदवार विवरणानुसार जिलायोजना अन्तर्गत अनुमोदित स्थानों पर हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन पर व्यय हेतु अवशेष रु० ८७,७२,०००/- (रु० सत्तासी लाख बहत्तर हजार मात्र) की धनराशि को आपके निर्वहन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	परिव्यय लाख रु० में	पूर्व स्वीकृत धनराशि	अवशेष की जा रही धनराशि
१	पौड़ी	५०.००	३०.००	२०.००
२	टिहरी	५०.००	३०.००	२०.००
३	रुद्रप्रयाग	२०.००	१२.००	८.००
४	उत्तरकाशी	३०.००	१७.००	१३.००
५	चम्पावत	६२.७२	३६.००	२६.७२
	योग-	२१२.७२	१२५.००	८७.७२

२- उपरोक्त स्वीकृत धनराशि संबंधित जनपद में उत्तरांचल जलसंस्थान के अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल सम्बन्धित जनपद के कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकता के अनुसार आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन तथा महालेखाकार, उत्तरांचल को तत्काल उपलब्ध करायी जाये। स्वीकृत धनराशि का आहरण कोषागार से पूर्व स्वीकृत धनराशि के ८०

ml



प्रतिशत उपयोग के उपरान्त ही किया जायेगा तथा जिन जनपदों में 80 प्रतिशत धनराशि का उपयोग कर लिया गया हो वे इस धनराशि का आहरण कर सकते हैं।

3- स्वीकृत धनराशि से हेण्डपम्प अधिष्ठापन का कार्य उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा एवं धनराशि का व्यय जिलायोजना में अनुमोदित स्थलों/कार्यों पर ही किया जायेगा। ऐसे कार्यों पर धनराशि कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवाद ग्रस्त हैं।

4- व्यय करने से पूर्व जिन मांगलों में बजट मैनुअल फाईनेन्सियल हेण्डबुक अथवा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों एवं विस्तृत आगणनों पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ सक्षम प्राधिकारी की प्राथमिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि हेण्डपम्पों का अधिष्ठापन जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हो और जिलायोजना हेतु अनुमोदित प्लान आउटले के अन्तर्गत हो।

6- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय। गुणवत्ता हेतु पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का होगा। हेण्डपम्पों का अधिष्ठापन उत्तराखण्ड पेयजल निगम द्वारा निर्धारित सिड्यूल दरों पर किया जायेगा तथा धनराशि का पूर्ण उपयोग 31 मार्च, 2005 तक सुनिश्चित किया जायेगा।

8- जनपदवार उन्ही योजनाओं पर व्यय किया जायेगा जिनका अनुमोदन जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा प्राप्त हो और जनपदवार आवंटित प्लान परिष्वय के अनुसार ही किया जायेगा।

10- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम -05- नगरीय पेयजल-91-हेण्डपम्पों का अधिष्ठापन (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग की असासकीय सं०-1445(क)/वि०अनु०-3/2004 दिनांक-05 अक्टूबर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

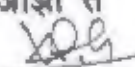
भवदीय,

 (कृष्ण सिंह)
 अपर सचिव

संख्या-²⁵⁵⁴ / (1) / जन्नीस / 04-2-(20पे0) / 2004 तद दिनांक ³

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2-मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ, पौड़ी/नैनीताल।
- 3-कोषाधिकारी, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, चम्पावत।
- ✓ 4-मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 5-महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, /पौड़ी/नैनीताल।
- 6-अधिसासी अभियन्ता /नोडल अधिकारी, उत्तरांचल जल संस्थान सम्बन्धित जनपद।
- 7-प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
- 8-वित्त अनुभाग-3/वित्त (यजट सेल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन देहरादून
- 9-निजी सचिव/मा0 मुख्यमंत्री/मा0 पेयजल मंत्री, उत्तरांचल।
- 10-निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 11-निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव